संपादकीय

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक गृह पत्रिका **''प्रवाहिनी''** का 24वां अंक अपने प्रबुद्ध पाठकों को सौंपते हुए हम अपरिमित हर्ष एवं गर्व अनुभव कर रहे हैं। निदेशक महोदय के प्रेरणात्मक मार्गदर्शन, सुधी लेखकों तथा आप सभी महानुभावों के समन्वित प्रयासों की ही देन है कि आज हम इस अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करने में सफल हो पाए हैं।

प्रस्तुत अंक के प्रकाशन में जिन प्रबुद्ध रचनाकारों ने अपने महत्वपूर्ण एवं उपयोगी लेखों के माध्यम से हमें सहयोग दिया है तथा राजभाषा हिंदी का मान–सम्मान व गौरव बढ़ाया है, उनका हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं तथा शुभकामनाएं संप्रेषित करते हैं।

हमें आशा है कि ''प्रवाहिनी'' का यह अंक समस्त सुधी पाठकों को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी लगेगा। पत्रिका की साज–सज्जा तथा सामग्री इत्यादि में अपेक्षित सुधार हेतु आपके सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

(संपादक मंडल)